कृषि विश्वविद्यालय में वानिकी नववर्ष मनाया गया

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में वानिकी संकाय द्वारा कुलपति डा.आनन्द कुमार की प्रेरणा से वानिकी नव वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉक्टर एचपी चौधरी ने वन संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन के महत्व को विस्तार से समझाया। अधिष्ठाता वानिकी संकाय डॉक्टर मुनीश कुमार ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वानिकी नव वर्ष 2024 के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर डॉक्टर कौशल कुमार ने वृक्षारोपण की सफलता पर विशेष ध्यान दिए जाने पर बल दिया देश एवं प्रदेश की सामाजिक आर्थिक एवं पर्यावरणीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक तिहाई भूभाग वन आच्छादित होना चाहिए। परंतु खाद्य सुरक्षा एवं पोषण हेतु आवश्यकताओं के साथ-साथ औद्योगिक विकास के कारण 20 से 22 प्रतिशत वन भूमि उपयोग में आने से पर्यावरण के लिए विषम परिस्थिति उत्पन्न हुई। जिसके संतुलन हेतु कृषि वानिकी के अंतर्गत बहू वर्षीय वृक्ष प्रजातियों के रोपण अति आवश्यक है।अतः वन रोपण के साथ-साथ वन सुरक्षा पर बल दिया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर सर्वेश कुमार ने धार्मिक महत्व बताते हुए पेड़ पौधों को भगवान विष्णु से तुलना की। तथा कहा कि यह हमारे पालन करता है वृक्षों का सरंक्षण पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर डॉक्टर पूजा शर्मा, डॉक्टर धर्मेंद्र शाह, डॉक्टर विकास सिंह एवं छात्रों ने वृक्षों का महत्व रेखांकित करते हुए अपने विचार रखें।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-275 गुरूवार, 03 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

कृषि विश्वविद्यालय में वानिकी नववर्ष मनाया गया

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर - चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में वानिकी संकाय द्वारा कुलपति डा.आनन्द कुमार की प्रेरणा से वानिकी नव वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉक्टर एचपी चौधरी ने वन संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन के महत्व को विस्तार से समझाया। अधिष्ठाता वानिकी संकाय डॉक्टर मुनीश कुमार ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वानिकी नव वर्ष 2024 के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर डॉक्टर कौशल कुमार ने वृक्षारोपण की सफलता पर विशेष ध्यान दिए जाने पर बल दिया।देश एवं प्रदेश की सामाजिक आर्थिक एवं पर्यावरणीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक तिहाई भूभाग वन आच्छादित होना चाहिए। परंतु खाद्य सुरक्षा एवं पोषण हेतु आवश्यकताओं के साथ-साथ औद्योगिक विकास के कारण 20 से 22 प्रतिशत वन भूमि उपयोग में आने से पर्यावरण के लिए विषम परिस्थिति उत्पन्न हुई। जिसके संतुलन हेतु कृषि वानिकी के अंतर्गत बहू वर्षीय वृक्ष प्रजातियों के रोपण अति आवश्यक है।अत: वन रोपण के साथ-साथ वन सुरक्षा पर बल दिया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर सर्वेश कुमार ने धार्मिक महत्व बताते हुए पेड़ पौधों को भगवान विष्णु से तुलना की। तथा कहा कि यह हमारे पालन करता है वृक्षों का सरंक्षण पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर डॉक्टर पूजा शर्मा,डॉक्टर धर्मेंद्र शाह,डॉक्टर विकास सिंह एवं छात्रों ने वृक्षों का महत्व रेखांकित करते हुए अपने विचार रखें।

33.0°
अधिकतम
25.0°
न्यूनतम

www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर एक्सप्रेस

कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया वानिकी नववर्ष

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वानिकी संकाय द्वारा कुलपति डा. आनन्द कुमार की प्रेरणा से वानिकी नव वर्ष मनाया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉक्टर एचपी चौधरी ने वन संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन के महत्व को विस्तार से समझाया। अधिष्ठाता वानिकी संकाय डॉक्टर मुनीश कुमार ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वानिकी नव वर्ष 2024 के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर डॉक्टर कौशल कुमार ने वृक्षारोपण की सफलता पर विशेष ध्यान दिए जाने पर बल दिया।देश एवं प्रदेश की

सामाजिक आर्थिक एवं पर्यावरणीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एक तिहाई भूभाग वन आच्छादित होना चाहिए। परंतु खाद्य सुरक्षा एवं पोषण हेतु आवश्यकताओं के साथ-साथ औद्योगिक विकास के कारण 20 से 22 प्रतिशत वन भूमि उपयोग में आने से पर्यावरण के लिए विषम परिस्थिति उत्पन्न हुई। जिसके संतुलन हेतु कृषि वानिकी के अंतर्गत बहु वर्षीय वृक्ष प्रजातियों के रोपण अति आवश्यक है।अतः वन रोपण के साथ-साथ वन सुरक्षा पर बल दिया गया। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर सर्वेश कुमार ने धार्मिक महत्व बताते हुए पेड़ पौधों को भगवान विष्णु से तुलना की। तथा कहा कि यह हमारे पालन करता है वृक्षों का सरंक्षण पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर डॉक्टर पूजा शर्मा,डॉक्टर धर्मेंद्र शाह,डॉक्टर विकास सिंह एवं छात्रों ने वृक्षों का महत्व रेखांकित करते हुए अपने विचार रखें।

... के 2500 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। ...कारी बुधवार को ... अदिति, सूरज और ...

हिंदुस्तान 03/10/2024

वानिकी नववर्ष मनाया गया

कानपुर। सीएसए में वानिकी संकाय की ओर से वानिकी नव वर्ष मनाया गया। पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. एचपी चौधरी, डॉ. मुनीश कुमार, डॉ. कौशल कुमार ने कहा कि देश एवं प्रदेश की सामाजिक आर्थिक एवं पर्यावरणीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक तिहाई भूभाग वन आच्छादित होना चाहिए। इस मौके पर डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. धर्मेंद्र शाह, डॉ. विकास सिंह आदि मौजूद रहे।

गांधी जयंती पर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर सीएसए कुलपति ने किया याद

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर आज दिनांक 2 अक्टूबर 2024 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में गांधी पर्व/अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान बापू जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम..... तथा मुझे तूने मालिक बहुत कुछ दिया है........... एवं दे दी हमें आजादी बिना खडक बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल---- गाने गाकर सब को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात कुलपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि बापू ने अहिंसा के दम पर अंग्रेजों से देश को आजाद करा दिया। इसलिए बापू आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। डा.सिंह ने कहा कि बापू ने बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त कर बड़ा अफसर बनना उचित नहीं समझा। बल्कि अपना पूरा जीवन देश और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया। इस दौरान डॉ सिंह ने बताया कि गांधीजी के आंदोलनों में दांडी यात्रा,

भारत छोड़ो आंदोलन, असहयोग आंदोलन एवं विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार प्रमुख थे। गांधी जयंती के अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज का दिन पूरा विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने बताया कि गांधी जी ने स्वच्छ भारत का सपना देखा था इसलिए विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित छात्रावास के आस पास एवं मुख्य परिसर में अधिष्ठाता कृषि तथा संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों द्वारा साफ सफाई का एक कार्यक्रम आयोजित किये गये। तत्पश्चात सभी को अहिंसा परमोधर्मा की शपथ कराई गई। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा वाद विवाद, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर किया याद

पंकज अवस्थी, सच की अहमियत

कानपुर । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में गांधी पर्व/अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान बापू जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम..... तथा मुझे तूने मालिक बहुत कुछ दिया है.......... एवं दे दी हमें आजादी बिना खडक बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल- --- गाने गाकर सब को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात कुलपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि बापू ने अहिंसा के दम पर अंग्रेजों से देश को आजाद करा दिया। इसलिए बापू आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। डा.सिंह ने कहा कि बापू ने बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त कर बड़ा अफसर बनना उचित नहीं समझा। बल्कि अपना पूरा जीवन देश और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया। इस दौरान डॉ सिंह ने बताया कि गांधीजी के आंदोलनों में दांडी यात्रा, भारत छोड़ो आंदोलन, असहयोग आंदोलन एवं विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार प्रमुख थे। गांधी जयंती के अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज का दिन पूरा विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने बताया कि गांधी जी ने स्वच्छ भारत का सपना देखा था इसलिए विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित छात्रावास के आस पास एवं मुख्य परिसर में अधिष्ठाता कृषि तथा संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों द्वारा साफ सफाई का एक कार्यक्रम आयोजित किये गये। तत्पश्चात सभी को अहिंसा परमोधर्मा की शपथ कराई गई। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा वाद विवाद, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएसए कुलपति ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में गांधी पर्व/अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान बापू जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम तथा मुझे तूने मालिक बहुत कुछ दिया है। एवं दे दी हमें आजादी बिना खडक बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल- गाने गाकर सब को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा वाद विवाद, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केडीए...
गई बापू...
की...

दैनिक कानपुर...

कानपुर। के... महात्मा गांधी... श्रद्धेय लाल... जयंती अत्यंत... मनाई गई। उ... गर्ब्याल, सचि... पाण्डेय एवं अ... राष्ट्र पिता मह... लाल बहादुर श... पुष्पांजलि अ... किया गया। मे... साथ कलाका... कार्य म प्रस्तु... रामधुन व ब... वैष्णव जन ते... पराई जाणे रे... राष्ट्रभक्ति गीतो...

भोजपुरी समाज ने बापू को किया नमन

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-275 गुरूवार, 03 अक्टूबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी वा लाल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अभियान चलाया गया।

गांधी जयंतीः महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर सीएसए कुलपति ने किया याद

रहस्य संदेश ब्यूरो

कानपुर – राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर आज दिनांक 2 अक्टूबर 2024 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में गांधी पर्व/अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान बापू जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम..... तथा मुझे तूने मालिक बहुत कुछ दिया है........... एवं दे दी हमें आजादी बिना खडक बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल– --- गाने गाकर सब को मंत्रमुग्ध कर

दिया। तत्पश्चात कुलपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि बापू ने अहिंसा के दम पर अंग्रेजों से देश को आजाद करा दिया। इसलिए बापू आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। डा.सिंह ने कहा कि बापू ने बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त कर बड़ा अफसर बनना उचित नहीं समझा। बल्कि अपना पूरा जीवन देश और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया। इस दौरान डॉ सिंह ने बताया कि गांधीजी के आंदोलनों में दांडी यात्रा, भारत छोड़ो आंदोलन, असहयोग आंदोलन एवं विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार प्रमुख थे। गांधी जयंती के अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज का दिन पूरा विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने बताया कि गांधी जी ने स्वच्छ भारत का सपना देखा था इसलिए विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित छात्रावास के आस पास एवं मुख्य परिसर में अधिष्ठाता कृषि तथा संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों द्वारा साफ सफाई का एक कार्यक्रम आयोजित किये गये। तत्पश्चात सभी को अहिंसा परमोधर्मा की शपथ कराई गई। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा वाद विवाद, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

Citizens of Israel, we are in the midst of a campaign against Iran's axis of evil.@IsraeliPM

सीएसए कैंपस में लगाएगा प्रोसेसिंग यूनिट, बनाएगा बेकरी प्रोडक्ट्स

खत्म होगी स्माल मिलेट्स की प्रोसेसिंग और सेल की प्रॉब्लम

सीएसए यूनिवर्सिटी को यूपी गवर्नमेंट से मिला एक करोड़ का प्रोजेक्ट

कैम्पस के अंदर ही लगेगी प्रोसेसिंग यूनिट, गोदाम और सेलिंग काउंटर भी बनेगा

kanpur@inext.co.in

KANPUR (2 Oct): मिलेट्स (मोटे अनाज) हमारी हेल्थ को फिट रखने का काम करते हैं. सरकार की ओर से साल 2023 को मिलेट्स ईयर के रूप में सेलिब्रेट किया गया. इन सबके बाद पब्लिक और किसानों को स्माल मिलेट्स (जिनको सीधे नहीं खा सकते) को लेकर प्राब्लम फेस करनी पड़ी. स्माल मिलेट्स की प्रोसेसिंग न होने और प्रोडक्ट न होने के चलते उसको सेल करने में प्राब्लम आई. पब्लिक को भी स्माल मिलेट्स के बेनीफिट नहीं मिले. प्रोसेसिंग न होने के कारण किसान खुद भी यूज नहीं कर सकता है. इसी प्राब्लम को दूर करने के लिए सीएसए को यूपी गवर्नमेंट से एक करोड़ का प्रोजेक्ट मिला है.

गोदाम व सेलिंग काउंटर...

प्रोजेक्ट में सीएसए के साइंटिस्ट स्माल मिलेट्स की प्रोसेसिंग और उसके प्रोडक्ट बनाने को लेकर काम करेंगे. प्रोजेक्ट के प्रिंसिपल इंवेस्टिगेटर डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के तहत ऐसे इंक्विपमेंट लगाए जाएंगे जो कि स्माल मिलेट्स की प्रोसेसिंग करेंगे. प्रोसेसिंग में छिलका उतारना आदि समेत कई काम किए जाएंगे. इसमें फार्मर या कोई भी स्माल मिलेट्स को लाकर उसकी प्रोसेसिंग करा सकता है. अनाज को रखने के लिए गोदाम मिलेगा. इसके बाद यदि आप डिमांड करेंगे तो सेलिंग काउंटर की फैसिलिटी भी मिलेगी.

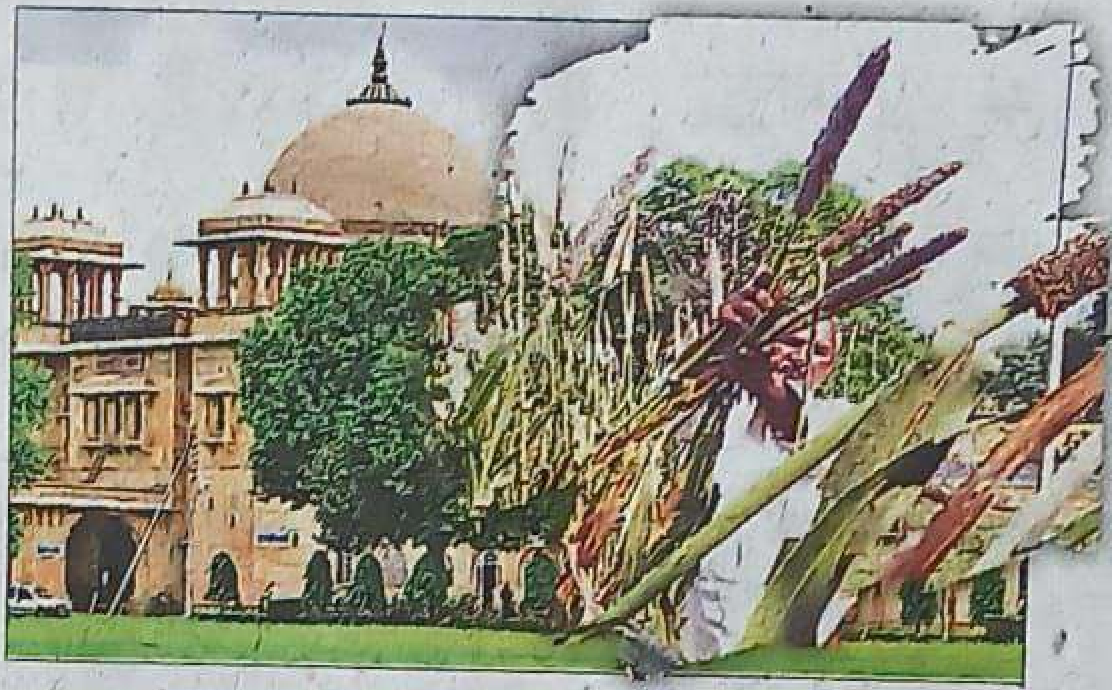

> मिलेट्स पर काम करने के लिए यूपी गवर्नमेंट की ओर से एक करोड़ का प्रोजेक्ट मिला है. इसके तहत स्माल मिलेट्स की प्रोसेसिंग व प्रोडक्ट बनाने पर काम होना है. सेकेंड फेज में कैंपस के अंदर मिलेट्स के प्रोडक्ट्स के लिए बेकरी भी खोली जाएगी.
>
> **डॉ. विजय यादव**, प्रिंसिपल इंवेस्टिगेटर

गेट नंबर तीन पर खुलेगा आउटलेट

इस प्रोजेक्ट के तहत सीएसए के गेट नंबर तीन में आउटलेट खुलेगा. आउटलेट में प्रोसेसिंग यूनिट, गोदाम और सेलिंग काउंटर होगा. इस काम के लिए टेंडर हो चुके हैं. 40 लाख के इक्विमेंट का भी आर्डर प्रोसेस में हैं. अफसरों की कोशिश है कि नए साल से पहले आउटलेट शुरू हो जाए.

मिलेंगे मिलेट्स के प्रोडक्ट

इस प्रोजेक्ट के सेकेंड फेज में सीएसए कैंपस में बेकरी खोली जाएगी. बेकरी में मिलेट्स के बिस्कुट, केक समेत कई प्रोडक्ट बनाकर बेचेंगे. शुरुआत में ज्वार, बाजार और रांगी आदि के प्रोडक्ट लांच होंगे. प्लानिंग के अनुसार इन सभी कामों को 80सी के तहत कंपनी रजिस्टर कराकर कराया जाएगा.

मिनिमम चार्ज में प्रोसेसिंग

सीएसए में प्रोसेसिंग यूनिट लगने के बाद यहां मिनिमम चार्ज लेकर प्रोसेसिंग का काम कराया जा सकता है. डॉ. यादव ने बताया कि कोई भी स्माल मिलेट्स लेकर आ सकता है. उसकी प्रोसेसिंग करा सकता है. इसके अलावा मिनिमम चार्ज देकर सेलिंग काउंटर की फैसिलिटी भी दी जाएगी. पूरा काम सरकारी खर्च पर होगा.

क्या हैं स्माल मिलेट्स

स्माल मिलेट्स इस तरह के होते हैं, जिनको आप सीधे नहीं खा सकते हैं. इसमें सांवा, कोंदू और कुटकी आदि आते हैं. फिलहाल अभी तक मार्केट में इनके प्रोडक्ट भी अवेलेबल नहीं है. प्रोडक्ट मार्केट में आने के बाद इनकी डिमांड बढ़ेगी.

ये फायदे होंगे प्रोसेसिंग यूनिट से

- प्रोसेसिंग के साथ बेकरी प्रोडक्ट्स भी बनाएंगे
- प्रोडक्ट्स के अच्छे दाम मिलेंगे
- डिमांड पर सेलिंग काउंटर की फैसिलिटी.
- किसानों को अनाज रखने के लिए गोदाम मिलेगा.
- प्रोसेसिंग के लिए नाम मात्र का चार्ज देना होगा
- पब्लिक को मिल सकेंगे स्माल मिलेट्स के फायदे

अमर उजाला 03/10/2024

सीएसए में खुलेगा स्मॉल मिलेट्स प्रोसेसिंग सेंटर

प्रोसेसिंग यूनिट, गोदाम और सेलिंग काउंटर के साथ बनेगी मिलेट्स बेकरी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में एक करोड़ रुपये से स्मॉल मिलेट्स प्रोसेसिंग सेंटर खोला जाएगा। इसमें प्रोसेसिंग के साथ उत्पाद तैयार करने का भी काम होगा। वहीं, छात्रों को हेल्दी डाइट देने के लिए संस्थान में मिलेट्स बेकरी भी खुलेगी। जो हॉस्टल के छात्रों के अलावा शिक्षकों और कर्मचारियों को मिलेट्स के उत्पाद उपलब्ध कराएगी।

कई मोटे अनाज ऐसे हैं जिनको बिना प्रोसेसिंग के नहीं खा सकते हैं। स्माल मिलेट्स इसी तरह के होते हैं, जिनको आप सीधे नहीं खा सकते हैं। इसमें सांवा, कोदो व कुटकी हैं। फिलहाल अभी तक मार्केट में

01 करोड़ रुपये प्रदेश सरकार से हुए स्वीकृत

इनके प्रोडक्ट भी उपलब्ध नहीं है। प्रोसेसिंग न होने के कारण किसान उसको खुद भी यूज नहीं कर सकता है। इसी परेशानी को दूर करने के लिए सीएसए को प्रदेश सरकार से एक करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मिला है। इसके तहत प्रोसेसिंग यूनिट, गोदाम और सेलिंग काउंटर तैयार करना है।

प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि परियोजना के तहत ऐसे उपकरण लगाए जाएंगे जो कि स्माल मिलेट्स की प्रोसेसिंग करेंगे। अनाज को रखने के लिए गोदाम मिलेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत सीएसए के गेट नंबर तीन में आउटलेट खुलेगा जो नए साल से शुरू हो जाएगा। दूसरे चरण में सीएसए कैंपस में बेकरी खोली जाएगी। यहां मिलेट्स के बिस्कुट, केक समेत कई प्रोडक्ट बनाकर बेचेंगे। शुरुआत में ज्वार, बाजार और रागी के प्रोडक्ट लांच होंगे।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को पुष्पांजलि अर्पित कर सीएसए कुलपति ने किया याद

कानपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर आज दिनांक 2 अक्टूबर 2024 को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में गांधी पर्व/अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस दौरान बापू जी के प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम..... तथा मुझे तूने मालिक बहुत कुछ दिया है एवं दे दी हमें आजादी बिना खडक बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल----- गाने गाकर सब को मंत्रमुग्ध कर दिया। तत्पश्चात कुलपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि बापू ने अहिंसा के दम पर अंग्रेजों से देश को आजाद करा दिया। इसलिए बापू आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। डा.सिंह ने कहा कि बापू ने बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त कर बड़ा अफसर बनना उचित नहीं समझा। बल्कि अपना पूरा जीवन देश और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया। इस दौरान डॉ सिंह ने बताया कि गांधीजी के आंदोलनों में दांडी यात्रा, भारत छोड़ो आंदोलन, असहयोग आंदोलन एवं विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार प्रमुख थे। गांधी जयंती के अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार ने बताया कि आज का दिन पूरा विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाता है। उन्होंने बताया कि गांधी जी ने स्वच्छ भारत का सपना देखा था इसलिए विश्वविद्यालय के परिसर में स्थित छात्रावास के आस पास एवं मुख्य परिसर में अधिष्ठाता कृषि तथा संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों द्वारा साफ सफाई का एक कार्यक्रम आयोजित किये गये। तत्पश्चात सभी को अहिंसा परमोधर्मा की शपथ कराई गई। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं द्वारा वाद विवाद, स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इस दौरान विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।